

पातालकोट घाटी

स्रोत: PIB

छदिवाड़ा ज़िले (मध्य प्रदेश) के पातालकोट की सुदूर आदिवासी घाटी में प्रथम स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया गया, जो सरकारी सेवाओं की अंतिम छोर तक आपूर्ति सुनिश्चित करने की दृष्टि में एक ऐतिहासिक कदम है।

- प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती अब्बा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और आदि निर्मयोगी अभियान जैसी केंद्र सरकार की पहलों से सड़कों, आवास, पेयजल, बजिली और शिक्षा में सुधार हुआ है।

पातालकोट घाटी

- यह पहाड़ियों से घरी 79 वर्ग किलोमीटर की एक घोंघे की नाल के आकार की घाटी है।
 - दूधी नदी (नर्मदा नदी की सहायक नदी) घाटी में प्रवाहित होती है।
 - यहाँ गोंड और भारिया जनजातियाँ निवास करती हैं, जिन्हें विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- भू-वर्णन: इस घाटी में आर्कयिन युग (लगभग 2500 मिलियन वर्ष पुरानी) की प्राचीन चट्टानें हैं। चट्टानों की संरचना में शामिल हैं:
 - ग्रेनाइट नीस, ग्रीन शैल और क्वार्ट्ज।
 - गोंडवाना तलछट जैसे संगठित बलुआ पत्थर, शैल, और कार्बनयुक्त शैल।
 - शिलाजीत, एक मशरूति कार्बन पदार्थ, ऊपरी क्षेत्रों में पैच के रूप में पाया जाता है।
- संस्कृति एवं पर्यटन: यह पर्यटन और स्थानीय सहभागिता को बढ़ावा देने के लिये अक्टूबर में वार्षिक सतपुड़ा साहसिक खेल महोत्सव का आयोजन करता है।

और पढ़ें: प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान